

---

# Dharakritam Devi Stotram

---

## धाराकृतं देवीस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Dharakritam Devi Stotram

File name : dhArAkRRitaMdevIstotram.itx

Category : devii, devI, skandapurANa, stotra

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : skandapurANa | nAgarakhaNDa | adhyAya 169/15-22||

Latest update : August 24, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 23, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

——  
धाराकृतं देवीस्तोत्रम्



नमस्ते परमे ब्राह्मि धारयोगे नमोनमः ।  
अर्धमात्रे परे शून्ये तस्यार्धार्धे नमोस्तु ते ॥ १५ ॥

नमस्ते जगदाधारे नमस्ते भूतधारिणि ।  
नमस्ते पद्मपत्राक्षि नमस्ते काञ्चनद्युते ॥ १६ ॥

नमस्ते सिंहयानाढ्ये नमस्तेऽस्तुमहाभुजे ।  
नमस्ते देवताभीष्टे नमस्ते दैत्यसूदिनि ॥ १७ ॥

नमस्ते महिषाक्रान्तशरीरच्छिन्नमस्तके ।  
नमस्ते विन्ध्यनिरते सुरामांसबलिप्रिये ॥ १८ ॥

त्वं लक्ष्मीस्त्वं शची गौरी त्वं सिद्धिस्त्वं विभावरी ।  
त्वं स्वाहा त्वं स्वधा तुष्टिस्त्वं पुष्टिस्त्वं सुरेश्वरी ॥ १९ ॥

शक्तिरूपासि देवि त्वं सृष्टिसंहारका रिणी ।  
त्वयि दृष्टमिदं सर्वं त्रैलोक्यं सचराचरम् ॥ २० ॥

यथा तिलेस्थितं तैलं दधिसंस्थं यथा घृतम् ।  
हविर्भुजश्च काष्ठस्थः सुगुप्तं लभ्यते न हि ॥ २१ ॥

तथा त्वमपि देवेशि सर्वगापि न लक्ष्यसे ॥ २२ ॥

इति श्रीस्कन्दपुराणे नागरखण्डे एकोनसप्ततिचमाधिकशततमाध्यायान्तर्गतं  
धाराकृतं देवीस्तोत्रं समाप्तम् ।

स्कन्दपुराण । नागरखण्ड । अध्याय १६९/१५-२२ ॥

skandapurANa . nAgarakhaNda . adhyAya 169/15-22..

Proofread by PSA Easwaran

*Dharakritam Devi Stotram*

pdf was typeset on August 23, 2025

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

